JULY TO SEPTEMBER 2017-18

आगामी तीन माह की प्रस्तावित गतिविधियाँ

प्रक्षेत्र परीक्षण

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	धान	राजेश्वरी	धान की कतार बोनी में फसल प्रबंधन का आकलन	0.8	04
2.	सोयाबीन	जे.एस.9752	सोयाबीन में खरपतवार प्रबंधन का आकलन	0.8	04
3.	सोयाबीन	जे.एस.9752	रेज्ड बेड प्लान्टर से सोयाबीन की कतार बोवाई का आकलन	0.8	04
4.	धान	राजेश्वरी	धान मे समंवित रोग प्रबंधनका आकलन	0.8	04
5.	धान	राजेश्वरी	धान मे झुलसा रोग के समंवित प्रबंधनका आकलन	0.8	04
6.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52	सोयाबीन में खरपतवार प्रबंधन हेतु विडर प्रयोग का आकलन	0.8	04
7.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
8.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (फ्राई से अंगुलिका) उत्पादन का आकलन	0.5	04
9.	मछली		जलीय किड़े के विनाश पश्चात् मत्स्य बीज उत्पादन नर्सरी तालाब बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
योग				6.3	36

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	धान	इंदिरा महेश्वरी	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	धान	इंदिरा महेश्वरी	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
3.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
4.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
5.	धान	राजेश्वरी	धान मे तना छेदक किट के समंवित प्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
6.	धान	राजेश्वरी	धान मे कण्डवा रोग के समंवित प्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
7.	मछली		मछली से बतख पालन का प्रदर्शन	1.0	06
8.	मछली		मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	06
9.	मछली		ग्रास कार्प मछली के बडवार का प्रदर्शन	1.0	06
योग				33	90

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	90
2.	पौध संरक्षण	4	1	80
3.	मत्स्यकी	4	1	85
4.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	82
योग		16	4	337

प्रक्षेत्र मे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	गन्ना	co- 86032	आधार	0.4
2.	गन्ना	co-94008	आधार	0.4
3.	गन्ना	coc-671	आधार	0.4
4.	गन्ना	co-99004	आधार	0.4
5.	गन्ना	co-85004	आधार	0.4
योग				2.0

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	10	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	100	100
योग	110	160

बीजोत्पादन कार्यक्रम खरीफ -17

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52	प्रजनक	5.0
2.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	2.0
3.	मुंग	पैरीमुंग	प्रजनक	1.0
योग				8.0

समूह प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	अरहर	आशा	60	150
2.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52 जे.एस. 95-60	50	125
योग				

सीड हब योजनान्तर्गत बीजोत्पादन कार्यक्रम खरीफ -17

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	13.8
योग				13.8

TSP-LTFE अंतर्गत प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	दिर्घकालिन उर्वरक परिक्षण	10	25
योग				10	25

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
पिन-491995
फोन/फैक्स 07741-299124
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in

बुक-पोस्ट
भारत शासन सेवार्थ

प्रति,
श्री/श्रीमती/डॉ. .....
.....
.....

उन्नत कृषि — समृद्ध किसान

इंदिरा किसान मितान
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक-27 | त्रैमासिक पत्रिका, जुलाई,अगस्त, सितम्बर 2017 | वर्ष-10

संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल
कुलपति
इं. गां. कृ. वि. रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. एम.पी.ठाकुर
निदेशक विस्तार सेवाएँ,
इं.गां.कृ.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा
निदेशक- ICAR-ATARI
जोन-9 जबलपुर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :
डॉ. बी.पी.त्रिपाठी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : श्री बी.एस.परिहार
सस्य विज्ञान

सह संपादक :
इं.टी.एस.सोनवानी
कृषि अभियांत्रिकी
कु.मनीषा रवापर्डे
मात्स्यिकी
श्री वाई.के. कौशिक
कार्यक्रम सहायक

हर कदम, हर डगर किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

एक दिवसीय किसान मेला सह कृषक संगोष्ठी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा एवं सर्व वर्ग उद्यानिकी प्रोड्यूसर, कृषि उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन द्वारा दिनांक 03.06.2017 को एक दिवसीय किसान मेला सह कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित 500 कृषक को केन्द्र की प्रमुख गतिविधियां खरीफ फसलों समन्वित पोषक तत्व प्रबंध, रोग एवं कीट प्रबंधन, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी फसलों में समन्वित प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. विशाल चंद्राकर, उपाध्यक्ष, छ.ग. राज्य कृषक कल्याण परिषद् के करकमलों से मृदा विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा निर्मित मृदा परीक्षण कीट 10 कृषकों को वितरित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा 16 से 31 मई 2017 स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा मानाया गया। तथा ग्राम पंचायत एवं आंगनबाड़ी जल स्त्रोंतो के आसपास सफाई रखने के लिए प्रेरित किया।

कृषक संगोष्ठी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा मे दिनांक 31.05.2017 को रेड्डी फाउण्डेशन द्वारा सहसपुर लोहारा ब्लाक के 35 कृषको को धान के विपुल उत्पादन की जानकारी, खरपतवार प्रबंधन, बीज का उपचार उर्वरक प्रबंधन के साथ ही साथ धान के साथ मछली पालन विस्तृत जानकारी दी गई एवं दिनांक 08.06.2017 सोयाबीन उत्पादन तकनीक में भी कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कृषक संगोष्ठी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा दिनांक 21.06.2017 को राष्ट्रीय दलहन एवं तिलहन विषय पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया एवं चयनित कृष्कों को सोयाबीन एवं अरहर बीजों का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री अजित चन्द्रवंशी, सदस्य, छ.ग. कृषक कल्याण परिषद, छ.ग. शासन एवं डॉ आर.के. द्विवेदी, अधिष्ठाता, संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कवर्धा की गरिमामय अपस्थिति में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दरम्यान 50 कृषकों को समूह प्रदर्शन हेतु बीज प्रदाय किया गया

JULY TO SEPTEMBER 2017-18

विगत तीन माह की गतिविधियाँ

प्रक्षेत्र परीक्षण

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (है.)	लाभार्थी
1.	धान	राजेश्वरी	धान की कतार बोनी में फसल प्रबंधन का आकलन	0.8	04
2.	सोयाबीन	जे.एस.9752	सोयाबीन में खरपतवार प्रबंधन का आकलन	0.8	04
3.	सोयाबीन	जे.एस.9752	रेज्ड बेड प्लान्टर से सोयाबीन की कतार बोवाई का आकलन	0.8	04
योग				2.4	12

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (है.)	लाभार्थी
1.	धान	इंदिरा महेश्वरी	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	धान	इंदिरा महेश्वरी	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
3.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
4.	सोयाबीन	जे.एस.97-52	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
योग					

समूह प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	रकबा (है.)	लाभार्थी
1.	अरहर	आशा	60	150
2.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52 जे.एस. 95-60	50	125
योग				

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	90
2.	पौध संरक्षण	4	1	80
3.	मत्स्यकी	4	1	85
4.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	82
योग		16	4	337

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	10	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	100	100
योग	110	160

बीजोत्पादन कार्यक्रम खरीफ -17

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (है.)
1.	सोयाबीन	जे.एस. 97-52	प्रजनक	5.0
2.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	2.0
3.	मुंग	पैरीमुंग	प्रजनक	1.0
योग				8.0

प्रक्षेत्र मे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (है.)
1.	गन्ना	co- 86032	आधार	0.4
2.	गन्ना	co-94008	आधार	0.4
3.	गन्ना	coc-671	आधार	0.4
4.	गन्ना	co-99004	आधार	0.4
5.	गन्ना	co-85004	आधार	0.4
योग				2.0

आतंकवाद विरोध दिवस 19.05.2017

कृषि सेवा केन्द्र के संचालको हेतु एक वर्षिय डिप्लोमा कोर्स प्रारम्भ

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत प्रशिक्षण सम्पन्न

सामयिक सलाह -2017

क्या करें.....? कब करें.....? क्यों करें.....?

जुलाई

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- धान की रोपाई कतार में करें। इससे कृषि क्रियाओं को रोकने में सहायता होती है तथा पौध संख्या पर्याप्त रहती है।
- रोपा धान में नींदानाशक अंकुरण पूर्ण पाइरेजोसल्फूरॉन या ऑक्सिडायर्जिल या एनीलोफास या ब्यूराक्लोर या पेन्डी मेथेलिन का छिड़काव करें।
- खरपतवार नाशी दवा का छिड़काव फ्लैटफैन नोजल द्वारा करें।
- सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व एलाक्लोर या पेन्डीमेथिलिन या मैट्रीबुजिन का छिड़काव अनुशंसित मात्रा में करें।
- उकठा ग्रसित क्षेत्रों में अरहर के साथ ज्वार की मिलवाँ खेती करने से अरहर में उकठा (विल्ट) रोग कम लगता है।

उद्यानिकी

- नए फल वृक्षों को लगाने का कार्य आरंभ करें।
- केले के पौधे की रोपाई का कार्य आरंभ करें।
- सब्जियों के तैयार पौधो का रोपण करें।
- सेवंती के नए सकर्स से कटिंग कर पौध तैयार करें।
- गेंदा के पौध तैयार करें।
- नर्सरी तैयार होने के अरांत टमाटर, मिर्च, बैगन एवं फूलगोभी की रोपाई करें।
- अदरक, हल्दी, भिण्डी एवं बरबट्टी की निराई गुड़ाई एवं पानी न गिरने पर सिंचाई की समुचित व्यवस्था करें।

पशुपालन -

- वर्षाजनित रोंगों से बचाव के उपाय नहीं भूलें। अंत: परजीवी व कृमि नाशक घोल या दवा देने का समय भी यही है।
- संक्रामक रोगो से बचाव हेतु टीकाकरण अवश्य करायें।
- पशु ब्याने के दो घण्टे के अंदर नवजात बछड़े व बछड़ियों को पीयुष अवश्य पिलायें।

अगस्त

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- मक्का की पत्तियों में झुलसन शुरू होने पर मेन्कोजेब/क्लोरोथेलिनिल तामयुक्त फफूंदनाशक दवा का छिड़काव 15 दिनों के अंतराल में 2 बार करना चाहिए।
- धान के खेत में लगातार पानी भरकर न रखें।
- रोपा लगाने के पूर्व धान के थरहा की जड़ो को क्लोरपायरीफास 20 ई.सी.दवा का 1 मि.ली. की पानी तथा 2 किलो यूरिया मिलाकर 3-4 घण्टे डुबोकर रोपा लगाएँ या नर्सरी खेत में कार्बो यूरॉन 33 किलो/हे.की दर से थरहा निकालने के 4 दिन पहले देवें।
- देर हो जाने के कारण यदि धान की रोपाई इस माह करनी पड़ रही है तो पौधे की दूरी कम रखें व 3-4 पौधों का उपयोग करें।
- खेत में हरी काई का प्रकोप दिखे तो पानी को निकाले।
- खेत में जिस जगह से पानी अन्दर जाता है, वहाँ कॉपर सल्फेट को पोटली में बांधकर रखें।
- अरहर में पत्ती मोड़क एवं भृंग इत्यादि कीटों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास 50 ई.सी.1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- धान में यूरिया का छिड़काव करने के पूर्व खेत में पानी की मात्रा कम कर देवें।

उद्यानिकी

- अमरूद, नीबू एवं अन्य वृक्षों में गूटी बांधे तथा पिछले माह बांधी गई गुटी को मातृ पौधों से अलग कर प्लास्टिक थैली में रोपण करें।
- डहेलिया के कंद से निकले नवीन पौधों को 4 - 6 इंच की कटिंग कर नए पौधे तैयार करें।
- खरीफ प्यान को खेत में रोपाई करें।
- सेमी, बरबट्टी को खेत में लगावें।

पशुपालन

- बरसात के मौसम में पशु घरों को सुखा रखें एवं मक्खी रहित करने के लिए नीलगिरि या निम्बू घास के तेल का छिड़काव करें।
- पशुओं को खनिज मिश्रण 30-50 ग्राम प्रतिदिन दें। जिससे पशु की दूध उत्पादन और शारीरिक क्षमता बनी रहें।

सितम्बर

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- तना छोदक के लिए फेरोमोन ट्रेप उपयोग करें या लाइट ट्रेप द्वारा भी व्यस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है।
- भूरा माहो के नियमित प्रकोप वाले स्थानों पर फोरट का इस्तेमाल न करें।
- कीट प्रकोप की तीव्रता होने पर इमिडाक्लोपिड 125 मि.ली. या इथीप्रोल + इमिडाक्लोप्रिड 150 मि.ली. दवा का उपयोग करें।
- धान की फसल में झुलसा रोग के लक्षण नाव आकार के धब्बे के रूप में दिखते ही ट्राइसाइक्लोजोल (0.6 ग्रा./ली.पानी) आइलोप्रोथि योलेन (1 मि.ली./ली.पानी)/ टेबुकोनाजोल (1.5 मि.ली. /ली.पानी) में से किसी एक फफूंद नाशक दवा का छिड़काव दोपहर तीन बजे के बाद करें तो रोग का प्रभावी नियंत्रण होना।
- जीवाणु जनित झुलसा रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो तो खेत से पानी निकालकर 3-4 दिन तक खुला रखें तथा 25 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

उद्यानिकी

- अदरक एवं हल्दी में मिट्टी चढ़ाए।
- बेलदार एवं लतावाली सब्जियों में तुरंत सहारा देने का कार्य करें एवं मिट्टी चढ़ाएँ।
- सेवंती, डहेलिया के तैयार पौधों को खेत में लगाएँ।

पशुपालन

- चारे का पर्याप्त और उपयुक्त भण्डारण सूखे व ऊँचे स्थान पर करें।
- दुग्ध ज्वर से दुधारू पशुओं को बचाने के लिए गाभिन अवस्था में उचित मात्रा में सूर्य की रोशनी मिलनी चाहिए। साथ ही विटामिन ई व सिलेनियम का टीका प्रसव उपरांत पशुचिकित्सक की सलाह से लगवाना चाहिए।
- पानी के साथ 5-10 ग्राम चूना मिलाकर या कैल्शियम फास्फेरस का घोल 70 से 100 मि.ली. प्रतिदिन भी दिया जा सकता है।